>

Title: Need to provide adequate numbers of railway rakes under West Central Railway Zone for transportation of wheat and fertilizers in Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) ः मध्य प्रदेश में मार्च माह में रबी की फसल गेहूं मंडियों में आना प्रारंभ हो जाएगी । प्रदेश से लगभग 45 लाख मैट्रिक टन गेहूं के उपार्जन की संभावना है । अकेले गेहूं की खरीद ही लगभग 3 माह तक चलेगी । गेहूं की मंडियों से देश के प्रमुख शहरों में ले जाने के लिए रेलवे ही परिवहन का प्रमुख साधन है । पश्चिम मध्य रेल जोन में माल परिवहन के लिए वैगनों की भारी कमी बनी हुई है । वित्तीय वर्ष समाप्त होने को हैं इसलिए रेलवे के सभी जोन अपने-अपने टारगेट को पूरा करने के लिए लदान पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं । फिर खरीदी मध्य प्रदेश राज्य आपूर्ति निगम को करना है जिसे रेक उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने वरीयता क्रम में "डी" श्रेणी यानी सामान्य वर्ग में रखा है । महोदया जी, मैं आपको बताना चाहूंगा कि इसके पहले भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूं की खरीद की जाती थी और उसे रेलवे द्वारा "बी" श्रेणी में रखा गया था । इस श्रेणी के आधार पर मध्य प्रदेश राज्य आपूर्ति निगम जो खरीदी के लिए मध्य प्रदेश की एजेंसी है उसे "बी" श्रेणी में शामिल किया जाए । कुछ रेल जोन वांछित संख्या में रैक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं अथवा दूसरे जोनों से आए हुए वैगनों को अपने जोन में रोककर उनका उपयोग कर लेते हैं। वहीं कुछ जोन वैगनों की कमी से जूझते रहते हैं । पूरे मध्य प्रदेश में पहले ही रैक पॉइन्ट्स कम है और जो हैं उनमें अधोसंरचना सुविधाएं उपलब्ध नहीं है जिसके कारण रासायनिक उर्वरकों की निर्धारित समय में आपूर्ति करने में हमेशा कठिनाइयां आती रही हैं । अतः मध्य प्रदेश सरकार की मांग के अनुसार यहां रैक पॉइन्ट्स को बढ़ाया जाए और वैगनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ।